राऊ हत्याकांड का खुलासा : पत्नी से अवैध संबंध बना हत्या की वजह

- उज्जैन का लिस्टेड बदमाश समेत 4 आरोपी गिरफ्तार
- सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों से सुलझी मर्डर मिस्ट्री
- हथियार व बाइक जब्त, एक आरोपी फरार

नव भारत न्यूज

इंदौर. राऊ थाना क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है. पुलिस ने उज्जैन के एक लिस्टेड बदमाश समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जांच में सामने आया कि अवैध प्रेम संबंध और आपसी रंजिश के चलते युवक की गोली मारकर हत्या की गई थी.

डीसीपी जोन 1 कृष्णा लालचंदानी ने बताया कि 12 अप्रैल की रात नखराली ढाणी, केट रोड के सामने एक युवक घायल हालत में मिला था. उसकी पहचान नवीन पाटीदार उम्र 31साल, निवासी रंगवासा के रूप में हुई. मौके से कारतूस मिलने और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद मामला हत्या का निकला. इसके बाद अपराध दर्ज कर इसी बिंदू पर जांच तेज की गई. मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई. टीम ने करीब 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बिना नंबर की मोटरसाइकिल की पहचान की. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्लेमर हिल्स कॉलोनी से तीन संदिग्धों को घेराबंदी कर पकड़ लिया. गिरफ्तार आरोपियों में उज्जैन का रहने वाला मुकेश कुमावत हैं. जबकि अजय धोलपुरिया और श्रीराम बलाई दोनों देवास के रहने वाले शामिल हैं.

मुख्य आरोपी पर हत्या, हत्या के प्रयास जैसे संगीन मामले हैं दर्ज

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक की पत्नी से अवैध संबंध और पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया था. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिना नंबर की पल्सर बाइक, देशी पिस्टल और कारतूस जब्त किए हैं. मामले में एक आरोपी राहुल उईके निवासी उज्जैन फरार है, जबकि मृतक की पत्नी भारती की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है. उसे भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. मुख्य आरोपी मुकेश कुमावत पर पहले से हत्या, हत्या के प्रयास और अवैध हथियार के कई मामले दर्ज हैं. अन्य आरोपियों का भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है. पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है.

डॉक्टर, छात्रा और महिला ने की आत्महत्या

- दो ने फांसी लगाई तो एक में जहर खाकर दी जान
- कारणों की जांच में जुटी पुलिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में आत्महत्या के तीन अलग-अलग मामले सामने आए हैं. भंवरकुआं, राऊ और खुड़ैल थाना क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं में एक डॉक्टर, एक छात्रा और एक महिला ने सुसाइट कर लिया. दो मामलों में फांसी और एक में जहर खाने की बात सामने आई है. पुलिस ने तीनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला मामला भंवरकुआं थाना क्षेत्र का हैं, यहां रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा ने अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी. मृतका की पहचान कशिश पंवार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से धार जिले के धरमपुरी क्षेत्र के ग्राम पगारा की रहने वाली थी और अभिनव नगर, पालदा में रहकर बीए की पढ़ाई कर रही थी.

उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला था. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एमवाय अस्पताल भिजवाया गया, जहां पोस्टमार्टम कराया. पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. पुलिस ने मोबाइल जब्त कर कॉल डिटेल और अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है.

वहीं खुड़ैल थाना क्षेत्र में 35 वर्षीय डॉक्टर दामिनी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. परिजन उन्हें गंभीर हालत में नेमावर रोड स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतका देवास जिले के कन्नौद की रहने वाली थीं और कलवर में सीएचओ पद पर पदस्थ थीं. परिजनों ने आरोप लगाया है कि पति संदीप के किसी अन्य महिला से संबंध थे, जिसे लेकर अक्सर विवाद होता था. विरोध करने पर मारपीट का भी आरोप लगाया है. तीनों मामलों में पुलिस ने मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के आधार पर जांच की जा रही है.

विवाद के बाद लगाई थी फांसी

इसी तरह की एक घटना राउ थाना क्षेत्र की है. राऊ थाना क्षेत्र के रंगवासा इलाके में रहने वाली 30 वर्षीय ममताबाई पटेल की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. परिजनों ने पुलिस को बताया कि बुधवार 1 अप्रैल को पारिवारिक विवाद के बाद उसने फांसी लगा ली थी. समय रहते उसे नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया था. करीब 15 दिन से इलाज चल रहा था, लेकिन उसकी मौत हो गई. प्रारंभिक जांच में पायल को लेकर हुए विवाद की बात सामने आई है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

वंदे मातरम की गरिमा का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

- इंदौर खंडपीठ ने संबंधितों को जारी किए नोटिस

नव भारत न्यूज

इंदौर. राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के दौरान गरिमापूर्ण आचरण सुनिश्चित करने को लेकर मामला अब हाईकोर्ट पहुंच गया है. मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है.

गुरुवार को न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ के समक्ष दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई हुई. कोर्ट ने इंदौर नगर निगम की हालिया घटना को गंभीर मानते हुए पार्षद रूबीना इकबाल खान और फौजिया शेख अलीम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. याचिकाकर्ता अधिवक्ता योगेश हेमनानी ने दलील दी कि सरकारी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में वंदे मातरम के दौरान आचरण को लेकर कोई स्पष्ट कानूनी व्यवस्था नहीं है. उन्होंने कोर्ट से मांग की कि राष्ट्रीय गीत के सम्मान और मर्यादा बनाए रखने के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश तय किए जाएं. याचिका में संविधान के अनुच्छेद 51ए (ए) का हवाला देते हुए कहा गया है कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्र के प्रतीकों का सम्मान करे. ऐसे में सार्वजनिक पदों पर बैठे जनप्रतिनिधियों का आचरण भी गरिमापूर्ण होना चाहिए. मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने प्रमुख सचिव, गृह सचिव सहित संबंधित विभागों को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है.

12 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ तस्कर को पकड़ा

- 121 ग्राम मादक पदार्थ बरामद, मंदसौर का रहने वाला है आरोपी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में नशे के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक तस्कर को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है. आरोपी के कब्जे से करीब 121 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12.10 लाख रुपए बताई जा रही है.

डीसीपी क्राईम राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक टिगरिया बादशाह रोड पर टीसीएस चौराहे के पास बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स की डिलीवरी देने आने वाला है. सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी कर मौके से शैलेंद्र चौहान निवासी नाहरगढ़, सीतामऊ (मंदसौर) को रंगे हाथ पकड़ लिया. तलाशी लेने पर आरोपी के पास से पारदर्शी पन्नी में रखी 121 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई. साथ ही एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है. जब्त माल की कीमत करीब 12.50 लाख रुपए आंकी गई है. पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि वह इंदौर में नशे के आदी लोगों को सस्ते में मादक पदार्थ खरीदकर बेचता था. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले भी मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाने में मारपीट का मामला दर्ज है. क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर उससे सप्लाई नेटवर्क व अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है.

थानों की रैंकिंग : चंदन नगर नंबर वन, सराफा रहा फिसड्डी

- मार्च माह के प्रदर्शन का मूल्यांकन

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस कमिश्नरेट द्वारा थानों के मार्च माह के कार्यों की मूल्यांकन रिपोर्ट जारी कर दी है. बेहतर पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण को लेकर की गई इस रैंकिंग में थाना चंदन नगर ने पहला स्थान हासिल किया है, जबकि सराफा थाना सबसे अंतिम पायदान पर रहा.

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शुरू की गई इस व्यवस्था के तहत शहर के सभी 32 थानों के कार्यों का हर महीने आकलन किया जा रहा है. इसमें अपराध नियंत्रण, जनसंतुष्टि और नवाचार जैसे मापदंडों को आधार बनाया है. मार्च माह की समीक्षा डीसीपी की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने की. इसके अनुसार जोन 4 का थाना चंदन नगर पहले स्थान पर रहा, जबकि भंवरकुआं दूसरे और द्वारिकापुरी तीसरे स्थान पर रहे.

वहीं इसी जोन का थाना सराफा औसत प्रदर्शन के चलते सबसे नीचे रहा. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, बेहतर प्रदर्शन करने वाले थानों के स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि कमजोर प्रदर्शन वाले थानों को ट्रेनिंग देकर सुधार किया जाएगा. लापरवाही मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी.

एक नजर में

जानापाव में बैठक आयोजित कर दी गई विस्तृत जानकारी

महू। भगवान परशुराम जी की जयंती के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संबंध में जानापाव में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की. इस दौरान कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, भव्य एवं गरिमामय रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए. सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है, ताकि यह आयोजन सफल एवं प्रेरणादायी बन सके. इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं के साथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

श्री परशुराम प्रकट महोत्सव का भव्य शुभारंभ

महू. श्री परशुराम प्राकट्य महोत्सव के उपलक्ष्य में ब्राह्मण युवा परिषद् द्वारा सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया. टूर्नामेंट के आरंभ में भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा के समक्ष ब्राह्मण युवा परिषद् के संस्थापक पं. विवेक शर्मा, संरक्षक एवं समन्वयक पं. रवि तिवारी, सर्व ब्राह्मण समाज के सचिव पं. संजय शर्मा, भगवान श्री परशुराम प्राकट्य महोत्सव समिति के अध्यक्ष पं. पंकज मिश्रा, सचिव पं. मुकेश शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर टूर्नामेंट आरंभ किया. सर्व ब्राह्मण समाज के सचिव पं. विक्रम दुबे एवं सर्व ब्राह्मण समाज महू के समन्वयक पं. शैलेंद्र शुक्ला, भगवान श्री परशुराम प्राकट्य महोत्सव समिति के संयोजक पं. राजेश शर्मा, कोषाध्यक्ष द्वय पं. अक्षय महर्षि एवं पं. आशीष शर्मा, पं. प्रमोद शर्मा का टीमों से परिचय ब्राह्मण युवा परिषद् के अध्यक्ष पं. अमित जोशी द्वारा करवाया गया. श्री माहेश्वरी विद्यालय महू के टर्फ पर आयोजित इस अनूठे क्रिकेट टूर्नामेंट में पहले दिन आठ मैच खेले गए. कार्यक्रम का संचालन पं. सुमित शर्मा, पं. पवन शर्मा और पं. सागर शर्मा द्वारा किया गया. आभार सर्व ब्राह्मण युवा परिषद के अध्यक्ष अमित जोशी द्वारा व्यक्त किया गया.

स्कार्पियो बेचने के नाम पर 13 .45 लाख की धोखाधड़ी

- न तो वाहन दिया और न ही रुपए लौटाए, केस दर्ज

नव भारत न्यूज

इंदौर. स्कार्पियो वाहन बेचने का झांसा देकर दो युवकों द्वारा लाखों रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है. पीड़ित से 13 लाख 45 हजार रुपए लेकर आरोपियों ने न तो वाहन दिया और न रकम वापस की.

पुलिस के अनुसार, करण सलूजा (31) निवासी ऋतुराज कॉम्प्लेक्स ने शिकायत दर्ज कराई है कि अमान (27) निवासी धार और आरिस (25) निवासी साउथ तौड़ा, कोतवाली क्षेत्र ने उसे स्कार्पियो गाड़ी बेचने का सौदा किया. दोनों ने सौदे के नाम पर अलग-अलग किश्तों में 13.45 लाख रुपए ले लिए. रकम लेने के बाद आरोपियों ने न तो वाहन दिया और न ही पैसे लौटाए. बाद में संपर्क तोड़ दिया. इससे जाहिर होता है कि उन्होंने पूर्व योजना के तहत धोखाधड़ी की है. पुलिस ने मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. आरोपी फिलहाल फरार हैं. पुलिस उनकी तलाश कर रही है.

वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर 1 .40 लाख की ठगी

इंदौर. भंवरकुआं क्षेत्र में वर्क फ्रॉम होम जॉब का लालच देकर ठगी का मामला सामने आया है. ठग ने डाटा हैंडलिंग का काम दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 1 लाख 40 हजार रुपए ऐंठ लिए. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार, असीन शेख (23) निवासी स्वामी दयानंद कॉलोनी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसे शैलेन्द्र नाम के व्यक्ति का मैसेज आया, जिसमें घर बैठे डाटा हैंडलिंग का काम कर महीने में 30 से 40 हजार रुपए कमाने का ऑफर दिया. उसके झांसे में आकर फरियादी ने अपना बायोडाटा भेज दिया. कुछ दिन बाद आरोपी ने चयन होने की बात कहकर 2 .50 लाख रुपए की मांग की. रुपए नहीं होने पर आरोपी ने 1 .40 लाख रुपए देने को कहा और बाकी के रुपए उसने खुद देने का भरोसा दिलाया. इसके बाद फरियादी ने बताए गए मोबाइल नंबर पर फोन-पे के जरिए 1 .40 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए.

हमारी जनगणना हमारा विकास

गृह मंत्रालय भारत सरकार

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-1)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

- **क्या स्व-गणना अनिवार्य है?**
  नहीं, यह अतिरिक्त सुविधा है, यदि आप स्व-गणना नहीं करते तो प्रगणक आपके घर आकर जानकारी दर्ज करेगा
- **क्या मैं किसी भी भाषा में स्व-गणना कर सकता / सकती हूँ?**
  यह सुविधा हिंदी, अंग्रेजी और 14 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है
- **क्या स्व-गणना के लिए इंटरनेट जरूरी है?**
  हाँ, पोर्टल तक पहुँचने और जानकारी भरने के लिए इंटरनेट आवश्यक है
- **क्या मेरी जानकारी सुरक्षित है?**
  हाँ, सभी डेटा सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड और सरकारी सर्वरों में संरक्षित है
- **SE ID क्या है और इसका उपयोग क्या है?**
  सबमिशन के बाद आपको एक विशिष्ट 11 अंकों की SE ID मिलेगी (SMS / email से), जिसे प्रगणक के आने पर उन्हें दिखाना आवश्यक होगा
- **यदि SE ID भूल जाएँ तो क्या करें?**
  पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से SE ID पुनः प्राप्त की जा सकती है
- **क्या स्व-गणना के बाद भी प्रगणक आएगा?**
  हाँ, प्रगणक आपके घर आएगा और SE ID के आधार पर जानकारी की पुष्टि करेगा
- **क्या मुझे कोई दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता है?**
  नहीं, किसी भी दस्तावेज़ को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है
- **क्या पोर्टल पर सहायता उपलब्ध है?**
  हाँ, पोर्टल पर, यूज़र गाइड, फ्लोचार्ट, ट्यूटोरियल वीडियो, FAQs और टूलटिप्स के रूप में सहायता उपलब्ध है

टोल फ्री - 1855

CBC 19108/13/0023/2627

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी   CensusIndia2027

एक नजर में — किसी की एक साल, किसी की दो साल तो किसी की तीन साल से बंद है पेंशन, यहां-वहां भटकने को मजबूर

कई बुजुर्गों को नहीं मिल रही सामाजिक सुरक्षा पेंशन

इंदौर. शहर के खजराना सहित अन्य क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का लाभ न मिलने से बुजुर्ग परेशान हैं, यहां किसी को एक साल, किसी को दो साल तो किसी को तीन साल से पेंशन नहीं मिलने की शिकायतें आई हैं. जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन व्यवस्था लड़खड़ाने से प्रतिमाह वृद्धावस्था पेंशन पाने वाले हितग्राहियों को दो महीने से राशि नहीं मिली है, जिससे हजारों बुजुर्ग भटकने को मजबूर हैं.

खजराना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 38 स्थित बाबा मनसब नगर में बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिलने की समस्या गहराती जा रही है. क्षेत्र के कई वृद्धों की पेंशन एक से लेकर तीन वर्षो से बंद है. पेंशन से मिलने वाली राशि उनके दैनिक खर्चों का महत्वपूर्ण सहारा थी, जो अब पूरी तरह रुक गई है. हितग्राहियों ने पार्षद कार्यालय, जोन कार्यालय, नगर निगम और बैंकों के कई चक्कर लगाए. कई बार केवाईसी प्रक्रिया भी पूरी की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका. कुछ लोगों के आवेदन फॉर्म रिजेक्ट कर दिए गए, जबकि कई बुजुर्ग ऐसे भी मिले, जिन्हें योजना की जानकारी तक नहीं है. इससे क्षेत्र में जागरूकता अभियान का अभाव भी स्पष्ट नजर आता है., वहीं हितग्राहियों को सही मार्गदर्शन भी नहीं मिल रहा है और न ही प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी सहायता. ऐसे में जरूरतमंद बुजुर्गों को योजना का लाभ नहीं मिल पाना चिंता का विषय बना हुआ है.

यह बोले बुजुर्ग हितग्राही...

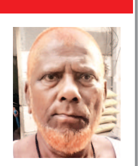

पेंशन के लिए कुछ साल पहले फॉर्म भरा था, लेकिन एक बार भी पेंशन नहीं मिली तो उम्मीद ही छोड़ दी. सुना है जिनको पेंशन मिलती थी, अचानक उनकी भी बंद हो गई.
- मनसूर कुरैशी

पहले बराबर पेंशन मिलती रही, फिर एक साल पहले अचानक बंद कर दी गई. कई बार चक्कर लगाए, बैंक में केवाईसी भी कराई. हमेशा कहते हैं मिल जाएगी, लेकिन दोबारा पेंशन नहीं दी गई.
- कान्हा जी

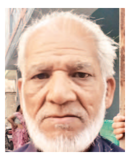

मेरी उम्र 60 वर्ष से ऊपर हो गई है. अभी भी गुजारा करने के लिए काम करने जाता हूं. फॉर्म कैसे भरते हैं, कहां भरते हैं, नहीं पता. किसी अधिकारी ने बताया भी नहीं.
- मुश्ताक अंसारी